श्री. शांतिलालजी मुथ्था
संस्थापक, BJS

2020 e-Bulletin
Hindi bi-weekly issue

Edition 33
29th May 2020

JAINS FOR INDIA
BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

संपादक की कलम से

स्नेही स्वजन,

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) और भारत सरकार दोनों ने अंततः स्वीकार किया कि कोरोना संकट शीघ्र समाप्त होने वाला नहीं है. शारीरिक और मानसिक रूप से कोरोना वायरस के साथ रहने की आदत डाल लेने की सलाह दी जा रही है. यह विवशता है या नवीन जीवन शैली का निमंत्रण? स्वच्छ व अनुशासित जीवन शैली अपना कर ही कोरोना चुनौती का सामना संभव हो सकेगा. यही एक मात्र विकल्प भी है.

कोरोना को आपदा समझें या अवसर? गत दो माह में इस विषय पर बहुत कुछ लिखा और कहा गया है. यह निरापद सत्य है कि हम भारतीय स्वच्छता के आग्रही कभी नहीं रहे. गंदगी करना या गंदगी में रहना, थूकना, सार्वजनिक स्थलों पर गुटखा या पान की पिचकारी मारना, खुले में शौच और अनुशासन हीनता आदि का यह चित्र हमारी संस्कृति और जीवन शैली का अभिन्न हिस्सा है. प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छता अभियान का हिस्सा बनने से भी हम कतराते रहे हैं.

कोरोना ने अब अवसर दिया है और समझा भी दिया है कि या तो स्वच्छता या असुरक्षित जीवन. विकल्प चुनने का अधिकार आपका है.

निरंजन जुवां जैन
सदस्य - BJS राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति

#WeAreSocial
#BJS

समाज उत्थान और विकास - सेवा के नए क्षितिज की ओर अग्रसर भारतीय जैन संघटना

State-wise, location-wise details on page 4 as of 28th May 2020

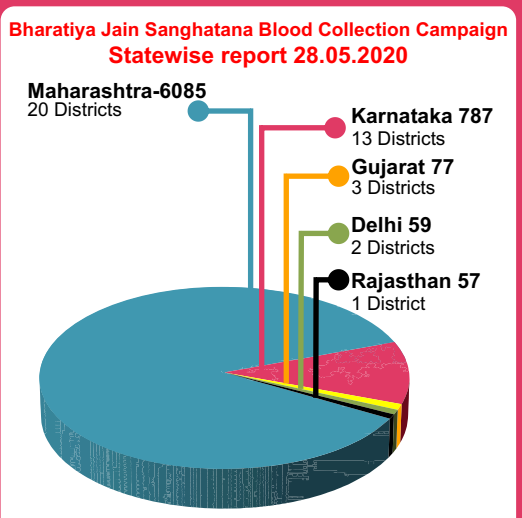

Bharatiya Jain Sanghatana Blood Collection Campaign
Statewise report 28.05.2020

Total Blood Collected Till date 7060 Units

लक्ष्मनरेखा

लेखक : **राजेश जैन, कोलकता**
लेखक, विचारक, अन्तर्राष्ट्रीय वक्ता, सलाहकार, चार्टर्ड अकाउंटेंट एवं
BJS राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति के सदस्य

प्रधानमंत्री ने 22 मार्च, 2020 को एक दिन के जनता कर्फ्यू की प्रार्थना देशवासियों से की थी. लोगों को असुखद लगा, जैसे उन्हें जेल में कैद कर दिया गया हो. तब मैंने लिखने हेतु यह विषय लिया. इसे संयोग ही कहेंगे कि 24 मार्च को प्रधानमंत्री ने 21 दिवस के लॉक डाउन की घोषणा की तो उन्होंने संबोधन में 'लक्ष्मणरेखा' की चर्चा भी की.

यह विषय मुझे प्रिय है. इसके पीछे कारण भी है. जीवन का एक अनुभव है. पर्यवेक्षक के रूप में वस्तुओं को बहुत समीप से देखने की मेरी आदत रही है. मैंने पाया कि मनुष्य के विकास व सफलता में उनके सुरक्षित जीवन का सर्वाधिक योगदान रहता है. मैंने 2005 में किताब लिखी थी 'Change that Liberate, Governanance of Family Firms. Change that Liberate' ऐसी बेड़ियाँ जो हमें आज़ाद करती हैं. ऐसे भी विरोधाभाषी शब्द और मुहावरे मुझे अच्छे लगते हैं. मेरी एक दूसरी पुस्तक है- 'Gods are Meeting and You are Invited' जिसमें लक्ष्मी और सरस्वती के मिलन की बात है.

सीता हेतु लक्ष्मणरेखा क्या बंधन का प्रतीक थी या आज़ादी की? सीता जब तक लक्ष्मणरेखा के अंदर थी, आज़ादी तथा सुरक्षा दोनों ही सुनिश्चित थी. जैसे ही लक्ष्मणरेखा के बाहर कदम रखा, समस्या शुरू हुई. मैंने एक निबंध पढ़ा जिसका शीर्षक है – All about it tall. लेखक ने बड़े गंभीर विषय को बड़ी सरलता से उठाया. उसने कहा कि मान लीजिये कि एक पालतू

Contd...

कुत्ता बाड़ वाले बंगलो (Bungalow) में रहता है. एक घेरा पेड़ पौधों का बना हुआ है जिसे कुत्ता आराम से लांघ सकता है. स्वच्छंद विचरण कर बाहर की दुनियां घूम सकता है. स्वयं को स्वतंत्र महसूस कर सकता है. किन्तु वो ऐसा करता नहीं, क्योंकि जानवरों में शायद लक्ष्मणरेखा को समझने की शक्ति मनुष्यों से बेहतर होती है.

हम सभी ने मुहावरा सुना है- 'कुत्ते की मौत मरोगे'. यह दुखद है कि लावारिस कुत्तों की मौत प्रायः अप्राकृतिक या दुर्घटनाजनिक होती है. वो कुत्ता जो स्वयं को चारदीवारी के अंदर रखता है, सदैव सुरक्षित रहता है. स्वच्छंदता हमारी संस्कृति और फैशन (Culture & fashion) है, जिसे हम जन्मसिद्ध अधिकार समझते हैं. यह मेरी जिंदगी है. इसमें किसी का हस्तक्षेप क्यों? हम कोई खंभा या द्वीप नहीं हैं. हम समाज से अलग-थलग नहीं हैं. हमारी मनोस्थिति सूखे पत्तों की तरह की सी हो गई है. मुझे एक शेर याद आ रहा है 'क्या दौर आ गया है कि शाखों से टूटकर, खुद को हरा समझते हैं पत्ते भी इन दिनों' हम कब तक हरे भरे रह पायेंगे? समाज हमारी जीवनदौरी है. एक एसी व्यवस्था, जिससे हमें जुड़े तथा बंधे रहना हैं, अन्यथा हम ज्यादा दिन सुरक्षित नहीं रह पायेंगे. मैं कौन हूँ? मैं वो हूँ जो मैं हूँ, बशर्ते मुझे कोई देख नहीं रहा हो. क्या यह सही है? जब मुझे कोई नहीं देख रहा हो, उस समय मैं मुखौटा रहित और ईमानदार हूँ. इसे एक उदाहरण से समझते हैं. अगर माँ घर में नहीं हो तो बच्चा टीवी के सामने बैठा रहता है. जैसे ही माँ आती है वह तुरंत टीवी ऑफ करके पढ़ने बैठ जाता है. क्यों? क्या स्थायी सुपरविजन की जरुरत है? उसको देखने वाला न रहे तो क्या वह काम पे नहीं लगेगा? लीडर की परिभाषा समझना यहां तर्क संगत होगा. किन परिस्थितियों में क्या करना है. स्वयं के विवेक से निर्णय ले तथा जिसे समझाना न पड़े, वह लीडर है. अब इन दो अवधारणाओं को जोड़कर देखिये. प्रथम 'मैं वो हूँ जो मैं हूँ' जब मुझे कोई नहीं देख रहा हो और द्वितीय वह ' जिसे किसी निर्देश की आवश्यकता नहीं. हम सभी लीडरशिप के प्रति सम्मोहित रहते हैं. लीडर बनना चाहता है या दिखना चाहते है. अनुयायी (follower) कोई बनना नहीं चाहता. क्या हममें लीडर बनने के गुण (atribute) है? . यह कसौटी उस दर्पण के समान है, जिसमें हमें झांकते रहना है. शिकायत करना बंद करें. आपकी प्रगति आपके हाथ में है, किन्तु कैसे? जब आप अकेले हैं तथा जिम्मेवारी से काम करते हैं तो आप सही अर्थों में लीडर हैं. यदि किसी निरीक्षण (supervision) की जरूरत है तो फिर हम अनुयाई (follower) बनने के लायक हैं. यह दो विकल्प हम सबके पास हैं. प्रथम तो इस सत्य को स्वीकार करलें और द्वितीय अपनी कमजोरी (weakness) को पहचान लें. हदों, मर्यादाओं और जंजीरों को तोड़ने की स्वच्छंदता जो हमने ले रखी हैं, उस पर नियंत्रण से ही यह संभव होगा.

हमें रुकना नहीं आता है. बात लक्ष्मणरेखा की है. प्रत्येक मोड़ पर रुकना है. अपने आपको स्वस्थ्य तरीके से विकसित करना है. एक सेकंड के लिए यदि हम अपने आवेग (impulse) को रोक कर तात्कालिकता में न फसते हुए, नियंत्रण सीखेंगे तो विकास निश्चित है. अन्यथा हम इंस्टेंट ही करते रह जायेंगे और शायद कभी विकास न कर पायें.

हम सभी विरासत या परंपराओं (Legacy) का हिस्सा हैं. एक कड़ी (Chain) हैं. हम सभी को न्यासी (Trustee) की तरह रहना है. हमें सामाजिकता को बड़ी जिम्मेदारी से अगली पीढी को सौंपना है. तब ही विकास होगा. हम मात्र लेने हेतु नहीं हैं. हमें देना भी पड़ेगा. इस जिम्मेदारी का जब एहसास होगा तब ही हम स्वस्थ्य तरीके से अपना और समाज का विकास कर पायेंगे. हमें यह सोचना पड़ेगा कि क्या करने से ठगे जाने की संभावना बढ़ जाती है. कहाँ लक्ष्मणरेखा ख़त्म हो रही है? कहाँ नुकसान में आ जायेंगे? शराब (drink) मनुष्य को उत्तेजना देती है. कितना नुकसान करती है, यह अलग बात है. लेकिन यह भी वास्तिकता है कि निर्णय लेने की क्षमता को कम कर देती है. फैशन और अहंकार के नशे को उतार फेंक कर, हमारे जीवन के चारों तरफ खींची हुई लक्ष्मणरेखाओं को पहचानते और समझते रहना ही हितकर होगा.

A lot is happening,
we value your engagement,
stay update...connect with us
@ www.bjsindia.org
Get involved in
path breaking humanitarian projects.
An effort to
contribute towards
holistic development of society

BJS Program Basket

BLOOD DONATION DRIVE
Business Development Program
Career Guidance
CLIP
HAPPY FAMILY HAPPY HOME (EMPOWERMENT OF COUPLES)
iBuD
MINORITY KNOWLEDGE CENTER
MOBILE DISPENSARY SEVA
Ojas life
FREE PLASTIC SURGERY
Smart Girl
Transformers RJ
YOUNG ACHIEVERS
2 DAYS YOUNG MBA WORKSHOP FOR KIDS

राष्ट्रतरीय ऑनलाईन सभा का आयोजन 17 मई, 2020

BJS के ओनलाईन कार्यक्रमों व गतिविधियों को वेग देने के उद्देश्य से इस विशेष सभा का आयोजन हुआ, जिसमें राष्ट्रीय एवं राज्य पदाधिकारीयों सहित कार्यक्रम संयोजकों ने भाग लिया.

- **श्री हस्तिमल बम्ब** राज्याध्यक्ष महाराष्ट्र ने सभी का स्वागत किया
- प्रारम्भिक उद्बोधन में राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री राजेन्द्र लुंकर** ने ऑनलाईन गतिविधियों के महत्व एवं आवश्यकता की चर्चा की. आपने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर प्रारम्भ हुई गतिविधियों को समाज के अंतिम छोर तक ले जाने की योजना बनाने के उद्देश्य से यह सभा आयोजित की गई है.

निम्न चर्चाएं हुई व निर्णय लिए गए :

- टेक्नोलॉजी से BJS के चेप्टर स्तर के पदाधिकारियों को सुसज्ज कर फेसबुक या ज़ूम आदि एप से कार्यक्रम, वेबिनार व सभाओं का आयोजन व संचालन करना.
- राज्य स्तर पर ऑनलाईन कार्यक्रमों के सफल संचालन के पश्चात विभाग , जिला व चेप्टर स्तर तक द्रुत गति से ले जाना. कार्यक्रमों के मासिक लक्ष्य निर्धारित करना.
- राज्य स्तरीय ऑनलाइन सभाओं का आयोजन प्रत्येक माह करना, जिसमें विभाग, जिला व चेप्टर पदाधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करना. कार्यकर्ताओं से टेक्नोलॉजी आधारित connectivity establish करने के प्रयास करना.
- प्रत्येक राज्य दो व्यक्तियों को technology Head के रूप में नियुक्त करना.
- **BJS मोबाइल डिस्पेंसरी सेवा** कार्य बहुत अच्छे तरीके से चल रहा है. 15 मई तक 6 लाख से अधिक रोगियों की डॉक्टर आपके घर द्वार योजना में जांच हुई व उन्हें औषधि दी गई.
- राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री राकेश जैन** ने कहा कि कोरोना के कारण हर क्षेत्र में तेजी से बदलाव आ रहे हैं. किन्तु जैन समाज में बदलाव की सोच की इच्छा शक्ति व्यवसाईयों में आशानुसार प्रबल नहीं है.
- राष्ट्रीय स्तर पर लॉकडाउन की इस अवधि में 'कोरोना के बाद व्यापार' व बदल रहे आर्थिक चित्र पर अनेक वेबिनरों का आयोजन हुआ जिसे विभागीय स्तर तक ले जाना आवश्यक है.
- राष्ट्रीय सचिव व स्मार्ट गर्ल कार्यक्रम के राष्ट्रीय संयोजक **श्री संजय सिंघी** ने महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए कहा कि स्मार्ट गर्ल के 100 से अधिक प्रशिक्षकों को ऑनलाइन कार्यशाला लेने का प्रशिक्षण भी ओनलाईन दिया गया.
- स्कूल खुलने पर भी फिज़िकल रूप से कार्यशाला का आयोजन शायद वर्ष 2020 में संभव न हो, अतः यह लक्ष्य निर्धारित किया गया कि प्रत्येक राज्य मई-जून मास में कम से कम 4 ऑनलाइन कार्यशालाएं आयोजित की जाए.
- **श्री अनिल रांका** राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य व मेट्रीमोनियल मीट के राष्ट्रीय संयोजक ने सूचना दी कि 11 जुलाई को BJS का प्रथम ऑनलाइन मीट उच्चशिक्षितों हेतु आयोजित होगी. ओनलाईन रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया व BJS Connect Mobile App के बारे में आपने विस्तृत जानकारी दी.
- **श्री रजनीश जैन** राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य व माइनॉरिटी राष्ट्रीय संयोजक ने अल्पसंख्यक लाभो पर
- ऑनलाइन जनजागृति अभियान चलाने का प्रस्ताव रखा व राज्य पदाधिकारियों से इस अभियान को समान रूप से महत्व देते हुए ऑनलाईन कार्यशालाओं के आयोजन हेतु प्रार्थना की.
- **श्री निरंजन जुंवा** ने सुझाव दिया कि ऑनलाईन अल्पसंख्यक जनजागृति अभियान का शुभारंभ विद्यार्थियों को मिलने वाले लाभों पर वेबिनार आयोजन से होना चाहिए.
- **श्री पंकज शापरिया** ने BjS की ब्रांडिंग पॉलिसी के संदर्भ में चर्चा की व प्रत्येक परियोजना व कार्यक्रम के logo व letter head आदि बनाने की योजना प्रस्तुत की.
- राष्ट्रीय महासचिव **श्री सम्प्रति सिंघवी** ने कहा कि सभी technology अपनाएं. राजाध्यक्षों से राज्य BJS फेसबुक पेज बनाने का सुझाव दिया व इसके महत्व और आवश्यकता पर चर्चा की.
- **राष्ट्रीय अध्यक्ष** ने BJS E-bulletin के संदर्भ में सप्ताह में दो अंक प्रकाशित करने का प्रस्ताव रखते हुए सभी राजाध्यक्षों व राज्य सचिवों से कार्यक्रमों व गतिविधियों के समाचार नियमित रूप से प्रेषित करने की प्रार्थना की.
- **श्री अंकित जैन**, माइनॉरिटी संयोजक, दिल्ली राज्य ने सूचित किया कि उन्होंने दिल्ली राज्य की अल्पसंख्यक योजनाओं पर प्रेजेंटेशन तैयार किया है.

श्री विजय जैन, सचिव दिल्ली राज्य ने सभी को आभार ज्ञापित

"कोरोनो - भीतर का सच"

कोई तो जुल्म किया होगा हमने
इसीलिए मुंह छिपाए घूमना पड़ रहा है।

हाथ की सफाई दिखाई होगी हमने
धो-धोकर दस्ताने में छिपाना पड़ रहा है।

दिलों से दूरियाँ बनाई होंगी हमने
तभी जिस्मों को दूर रखना पड़ रहा है।

प्रकृति से दाना-पानी पा बेवफाई की
हमनेउसकी नाराज़गी का हर्जाना भोगना पड़ रहा है।

खाने-पीने-कमाने में जीवों को सताया
हमने तभी तो घर की कैद में बंधना पड़ रहा है।

अब तो राह एक ही अपना ली है हमने
जैन-जीवन-शैली से रहना सुकून दे रहा है।

सुषमा सिंघवी,
जयपुर

Online Matrimonial Meet / ऑनलाइन परिचय सम्मेलन

भारतीय जैन संघटना द्वारा , जैन समाज के उच्च शिक्षित युवक- युवतियों जैसे डॉक्टर, इंजीनियर, सीए, सीएस, एमबीए, आईएएस, पोस्ट-ग्रेजुएट्स एवं प्रोफेशनल- ग्रेजुएट्स आदि के लिए ऑनलाइन परिचय सम्मेलन का आयोजन रविवार ,12 जुलाई 2020 को किया जा रहा है। रजिस्ट्रेशन पंजीकरण मोबाईल एप्प द्वारा ही करना है, जो भारतीय जैन संघटना द्वारा तैयार किया गया है।

मोबाईल एप्प का नाम: BJS Connect - Bharatiya Jain Sanghatana प्ले एवं ऐप स्टोर के माध्यम से इसे डाउनलोड कर सकते है या नीचे दिए लिंक से भी डाउनलोड कर सकते है।

ANDROID: http://www.shorturl.at/iqwUZ
APPLE: http://apple.co/2ueG7y8

इस सम्मेलन पश्चात मोबाईल अप्प के माध्यम से एक दूसरे से शो इंटरेस्ट/ दिलचस्पी दिखाना / सिफ़ारिश करना आदि कर सकते है।

आपसे विनम्र निवेदन है की इस मेसेज को आपके परिवार , रिश्तेदार , मित्रों और सभी ग्रुप्स में भेजकर अनुग्रहीत करें और समाज के बेटे - बेटियों के विवाह संबंध के लिए सहयोगी बनें।

इस वर्चुअल मैट्रिमोनियल मीट में घर से प्रत्याशी जीवन साथी का चयन कर सकता है और पूरा परिवार साक्षी बन सकता है। प्रत्याशी की मौजूदगी आवश्यक है।

इस मोबाइल एप्प से रजिस्टर्ड होने का शुल्क (one time) मात्र रू 499/- है।

अधिक जानकारी हेतु **श्री शशिकांत मुनोत 94204 77052** से संपर्क कर सकते है।

विनम्र निवेदन है कि, इसे ग्रुप्स में फॉरवर्ड कर समाज सेवा कार्य में सहयोगी बने।

गुजरात के अहमदाबाद में BJS मोबाईल डिस्पेंसरी सेवा का हुआ शुभारंभ

2 4 मई 2020 को J I T O अहमदाबाद, GIHED CREDAI के संयुक्त उपक्रम में BJS मोबाईल डिस्पेंसरी सेवा का शुभारंभ हुआ. शुभारंभ समारोह में JITO Apex President श्री गणपतराज चौधरी, A'bad अध्याय के अध्यक्ष श्री जिगिश शाह, सीनियर उपाध्यक्ष श्री हिमांशु शाह, मुख्य सचिव श्री राजीव छाजेर, G I H E D CREDAI के अध्यक्ष श्री अजय पटेल और माननीय सचिव शाहउपस्थित रहे. श्री जीगिश शाह के अनुसार डिस्पेंसरी वेन की संख्या आवश्यकतानुसार बढ़ाई जाएगी.

(BJS) Mobile Dispensary SEVA as of today

48	225	12,622	1,052,584
Total Cities	Total Vans	Patients referred to Hospital	Patients

Mobile Van Dispensary SEVA on ground session

दिए लिंक को क्लिक करे
https://youtu.be/bJHA64XiBpw

Mobile Dispensary Seva City Wise National Report
(01-Apr-20 To 28-May-20)

	City	Date Initiated	Number Of Vans Used	Number Of Patients Treated	Patients Referred To Govt. Hospital
1	Pune	1-Apr-20	82	531,348	7,218
2	Pimpri Chinchwad	4-Apr-20	4	55,136	223
	Pune City		**86**	**586,484**	**7,441**
3	Ambernath	27-Apr-20	1	5,709	116
4	Dadar	28-Apr-20	10	37,835	1,762
5	Mulund	2-May-20	10	79,017	640
6	Mira road	6-May-20	4	21,030	108
7	Kalyan	6-May-20	2	24,228	90
8	Ghatkopar	13-May-20	6	28,073	177
9	Thane	14-May-20	7	16,272	357
10	Andheri	15-May-20	9	30,424	1,126
11	Dharavi	21-May-20	11	10,466	0
	Mumbai MMR		**60**	**253,054**	**4,376**
12	Rajgurunagar	6-Apr-20	2	11,037	11
13	Nashik	7-Apr-20	3	12,300	9
14	Solapur	7-Apr-20	1	5,296	0
15	Sangli	13-Apr-20	1	3,965	0
16	Gangapur	15-Apr-20	1	1,575	0
17	Vaijapur	15-Apr-20	1	2,127	0
18	Aurangabad	16-Apr-20	2	8,428	104
19	Shindkhed	16-Apr-20	1	1,929	0
20	Washim	16-Apr-20	1	12,590	0
21	Shirur Anantpal	17-Apr-20	1	310	0
22	Khed	18-Apr-20	1	3,361	0
23	Shrirampur	20-Apr-20	1	4,232	0
24	Dhule	21-Apr-20	1	2,515	0
25	Karjat	23-Apr-20	1	1,186	0
26	Ahmednagar	25-Apr-20	1	2,457	0
27	Jalna	26-Apr-20	4	5,352	0
28	Nanded	26-Apr-20	1	3,351	8
29	Parbhani	26-Apr-20	1	2,419	0
30	Sangamner	27-Apr-20	1	3,806	0
31	Rahuri	27-Apr-20	1	2,437	0
32	Ambajogai	29-Apr-20	1	1,548	0
33	Rahata	1-May-20	1	5,584	0
34	Palghar	1-May-20	1	4,054	0
35	Nandgaon	2-May-20	1	2,085	0
36	Malegoan	3-May-20	14	31,125	572
37	Dahanu	5-May-20	1	2,928	0
38	Chandwad	6-May-20	1	2,021	1
39	Ratnagiri	10-May-20	1	4,202	3
	Rest Of Maharashtra		**48**	**144,220**	**708**
	Maharashtra Total		**194**	**983,758**	**12,525**
40	Bijapur	7-Apr-20	1	1,060	2
41	Bangalore	26-Apr-20	11	20,230	32
42	Mysore	27-Apr-20	12	16,006	6
	Karnataka Total		**24**	**37,296**	**40**
43	Erode	9-Apr-20	2	25,231	0
44	Sirkali	21-Apr-20	1	1,641	0
45	Chidambaram	24-Apr-20	1	1,642	0
46	Cuddalore	25-Apr-20	1	240	0
47	Ooty	24-Apr-20	1	1,919	22
	Tamil Nadu Total		**6**	**30,673**	**22**
48	Ahmedabad	24-May-20	1	857	35
	Gujarat Total		**1**	**857**	**35**
	National Total		**225**	**1,052,584**	**12,622**

* City Names Have Been Sorted As Per Date Of Initiation